

सीएसआईआर-सीरी में विश्व हिंदी दिवस 2026 का आयोजन

सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी) में 12 जनवरी, 2026 को विश्व हिंदी दिवस समारोह गरिमामयी ढंग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर नितेन्द्र पाठक, अध्यक्ष, कला (मानविकी) विभाग, श्रीमती इंद्रमणि मंडेलिया शिक्षा निकेत, पिलानी मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानापन्न निदेशक एवं वरिष्ठतम मुख्य वैज्ञानिक डॉ सुचंदन पाल ने की। विश्व हिंदी दिवस समारोह में पीएमई प्रमुख श्री प्रमोद तँवर, राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं इलेक्ट्रॉनिक दर्पण प्रकाशन समिति के सदस्यों सहित वरिष्ठ वैज्ञानिक, अधिकारीगण एवं अन्य सहकर्मी उपस्थित थे।



विश्व हिंदी दिवस संबोधन देते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर नितेन्द्र पाठक, विभागाध्यक्ष, कला (मानविकी) संकाय, श्रीमती इंद्रमणि मंडेलिया शिक्षा निकेत, पिलानी

विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर नितेन्द्र पाठक ने 'वैश्विक और भारतीय परिदृश्य में हिंदी के प्रभाव, प्रभुत्व और भविष्य की संभावनाएँ' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। अपने सारगर्भित एवं प्रेरक विश्व हिंदी दिवस संबोधन-सह-आमंत्रित व्याख्यान में प्रोफेसर पाठक ने कहा कि व्यक्ति को अपने विकास के लिए अधिक से अधिक भाषाएँ सीखनी चाहिए परंतु अपनी भाषा के प्रति गर्व का भाव होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उल्लेख किया कि हिंदी विश्व की तीसरी सबसे बड़ी भाषा है तथा भारत में सर्वाधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा के रूप में इसकी सशक्त उपस्थिति है। ऐतिहासिक तथ्यों और भाषायी

आंकड़े प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि हमें किसी भी रूप में हिंदी के भविष्य को लेकर निराशावादी नहीं होना चाहिए।



सभागार में उपस्थित अधिकारीगण एवं सहकर्मी

प्रोफेसर पाठक ने क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे व्यापक राष्ट्रीय प्रयासों की चर्चा करते हुए बताया कि उच्च शिक्षा को विद्यार्थियों के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए इंजीनियरिंग एवं मेडिकल शिक्षा भी हिंदी में आरंभ की जा चुकी है, जो हिंदी के उज्ज्वल भविष्य का स्पष्ट संकेत है।



स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन देते हुए डॉ सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक

इससे पूर्व कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक ने आमंत्रित अतिथि का औपचारिक स्वागत किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने विश्व हिंदी दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए आयोजन के

महत्व को रेखांकित किया तथा सभी को विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ दीं।



संस्थान की विज्ञान पत्रिका 'इलेक्ट्रॉनिक दर्पण' का विमोचन करते हुए मुख्य अतिथि एवं मंचस्थ अधिकारीगण

इस अवसर पर मुख्य वैज्ञानिक डॉ सुचंदन पाल ने मुख्य अतिथि प्रोफेसर नितेन्द्र पाठक को संस्थान की ओर से शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।



मुख्य अतिथि को शॉल व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित करते हुए डॉ सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक



शोधपत्रों एवं वैज्ञानिक लेखों के लेखकों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि प्रोफेसर नितेन्द्र पाठक

वार्षिक विज्ञान पत्रिका 'इलेक्ट्रॉनिक दर्पण' का विमोचन

इस अवसर पर संस्थान की वार्षिक विज्ञान पत्रिका 'इलेक्ट्रॉनिक दर्पण, वर्ष 2025, अंक-9' का विमोचन भी किया गया। प्रोफेसर पाठक ने पत्रिका के नवीनतम अंक में प्रकाशित शोधपत्रों एवं वैज्ञानिक लेखों के लेखकों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. अयन कुमार बंद्योपाध्याय, मुख्य वैज्ञानिक ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आमंत्रित अतिथि, संस्थान के निदेशक सहित आयोजन में सहयोग करने वाले सभी सहकर्मियों, अनुभागों/विभागों के प्रति आभार व्यक्त किया।



कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी

कार्यक्रम का संचालन संस्थान के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी श्री रमेश बौरा ने किया। उन्होंने उपस्थित सहकर्मियों को आमंत्रित अतिथि का औपचारिक परिचय दिया तथा विश्व हिंदी दिवस मनाए जाने के उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि से अवगत कराया।
